

शुभांगी ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव में दी प्रस्तुति TV

जागरण संवाददाता, वाराणसी : राष्ट्रीय युवा महोत्सव-2025 अंतर्गत 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलाग' 10 से 12 जनवरी तक भारतमंडपम, नई दिल्ली में आयोजित हुआ। बीएचयू के महिला महाविद्यालय में तृतीय वर्ष की छात्रा शुभांगी क्षितिजा सोरव ने 'विकास भी विरासत भी' विषय पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समक्ष अपनी प्रस्तुति दी। पीएम ने कहा कि भारत के युवा विकसित भारत के अग्रदूत हैं। उनके पास नवाचार, जुनून और राष्ट्र की प्रगति के प्रति गहरी प्रतिबद्धता है। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलाग ने इस भावना को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम मेरे लिए यादगार रहा, जहां हमने सामूहिक रूप से आर्थिक विकास, प्रौद्योगिकी, स्थिरता, संस्कृति व सामाजिक



शुभांगी। कल्याण पर विचार साझा किए। शुभांगी का चयन प्रधानमंत्री के साथ विशेष चर्चा और लंच के लिए भी हुआ, जिसमें प्रधानमंत्री ने प्रतिभागियों के साथ अपने जीवन के अनुभव साझा किए। शुभांगी की प्रस्तुति भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक विकास के बीच सामंजस्य पर आधारित थी। इससे पहले शुभांगी ने नवंबर में क्षेत्रीय अंतरविश्वविद्यालय युवा महोत्सव में स्वर्ण पदक जीता था।

लगातार दूसरे साल हुआ चयन

राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2025 के अंतर्गत नई दिल्ली में 10 से 12 जनवरी तक कार्यक्रम हुआ। शुभांगी ने विकास भी विरासत भी थीम पर भाषण दिया। वह बीएचयू के महिला महाविद्यालय में बीए तीसरे वर्ष की छात्रा हैं। मूल रूप से झारखंड की रहने वाली हैं। लगातार दूसरा साल शुभांगी को युवा एवं खेल मंत्रालय ने चयनित किया।

शुभांगी की प्रस्तुति को मिली सराहना

52

शुभांगी ने कहा कि प्राचीन भारतीय मूल्यों और आधुनिक विकास पर संतुलन जरूरी है। उनकी प्रस्तुति को काफी सराहना मिली। क्षेत्रीय अंतरविश्वविद्यालय युवा महोत्सव में गोल्ड और राष्ट्रीय अंतरविश्वविद्यालय युवा महोत्सव में जीत के बाद शुभांगी को विकसित भारत यंग लीडर्स डायलाग के लिए चयनित किया गया था।

बीएचयू की शुभांगी ने पीएम के सामने दिया भाषण, तस्वीरें भी खिंचवाई 52

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। बीएचयू की स्नातक की छात्रा शुभांगी श्रुतिजा सौरव ने नई दिल्ली के विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने भाषण दिया।

भारत मंडपम में शुभांगी ने पीएम के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। चर्चा और लंच के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने प्रतिभागियों के साथ अपने अनुभव साझा किए। नरेंद्र मोदी ने शुभांगी समेत सभी युवाओं को विकसित भारत का अग्रदूत बताया। कहा कि



शुभांगी। स्रोत: स्वयं

भारत मंडपम में बीए की छात्रा के साथ किया लंच

उनके पास नवाचार, जुनून और राष्ट्र की प्रगति के प्रति गहरी प्रतिबद्धता है। हमने सामूहिक तौर पर आर्थिक विकास, प्रौद्योगिकी, स्थिरता, संस्कृति और सामाजिक कल्याण पर विचार साझा किए।

बीएचयू की शुभांगी ने दी पीएम के समक्ष प्रस्तुति

गौरव

वाराणसी, मुख्य संवाददाता। राष्ट्रीय युवा महोत्सव-2025 के तहत विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 10 से 12 जनवरी तक भारतमंडपम, नई दिल्ली में हुआ। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में बीएचयू के महिला महाविद्यालय की छात्रा शुभांगी क्षितिजा सौरव ने 'विकास भी विरासत भी' विषय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष प्रस्तुति दी।

शुभांगी का चयन प्रधानमंत्री के साथ विशेष चर्चा और लंच के लिए भी हुआ। इसमें प्रधानमंत्री ने प्रतिभागियों के साथ अपने जीवन के अनुभव साझा किए। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब शुभांगी को युवा एवं खेल मंत्रालय की ओर से इस प्रतिष्ठित आयोजन में भाग लेने के लिए चयनित किया गया। उनकी इस उपलब्धि ने बीएचयू का मान बढ़ाया है।

शुभांगी की प्रस्तुति भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक विकास के बीच सामंजस्य पर आधारित थी। उन्होंने प्राचीन भारतीय मूल्यों और आधुनिक प्रगति के संतुलन पर अपने विचार रखे। उनके वक्तव्य से न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बल्कि वहां मौजूद अन्य लोग

- नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में किया प्रतिभाग
- महिला महाविद्यालय की छात्रा का लगातार दूसरे वर्ष हुआ था चयन



पीएम के समक्ष प्रस्तुति के बाद प्रसन्न मुद्रा में बीएचयू की शुभांगी।

भी प्रभावित हुए।

इससे पहले, शुभांगी क्षितिजा सौरव ने नवंबर में क्षेत्रीय अंतरविश्वविद्यालय युवा महोत्सव में स्वर्ण पदक जीता था। मार्च में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय अंतरविश्वविद्यालय युवा महोत्सव के लिए भी अर्हता प्राप्त की है जिसमें वह बीएचयू का प्रतिनिधित्व करेंगी।

बीएचयू की शुभांगी ने दी पीएम के समक्ष प्रस्तुति ५

गौरव

वाराणसी, मुख्य संवाददाता। राष्ट्रीय युवा महोत्सव-2025 के तहत विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 10 से 12 जनवरी तक भारतमंडपम, नई दिल्ली में हुआ। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में बीएचयू के महिला महाविद्यालय की छात्रा शुभांगी क्षितिजा सौरव ने 'विकास भी विरासत भी' विषय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष प्रस्तुति दी।

शुभांगी का चयन प्रधानमंत्री के साथ विशेष चर्चा और लंच के लिए भी हुआ। इसमें प्रधानमंत्री ने प्रतिभागियों के साथ अपने जीवन के अनुभव साझा किए। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब शुभांगी को युवा एवं खेल मंत्रालय की ओर से इस प्रतिष्ठित आयोजन में भाग लेने के लिए चयनित किया गया। उनकी इस उपलब्धि ने बीएचयू का मान बढ़ाया है।

शुभांगी की प्रस्तुति भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक विकास के बीच सामंजस्य पर आधारित थी। उन्होंने प्राचीन भारतीय मूल्यों और आधुनिक प्रगति के संतुलन पर अपने विचार रखे। उनके वक्तव्य से न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बल्कि वहां मौजूद अन्य लोग

- नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में किया प्रतिभाग
- महिला महाविद्यालय की छात्रा का लगातार दूसरे वर्ष हुआ था चयन



पीएम के समक्ष प्रस्तुति के बाद प्रसन्न मुद्रा में बीएचयू की शुभांगी।

भी प्रभावित हुए।

इससे पहले, शुभांगी क्षितिजा सौरव ने नवंबर में क्षेत्रीय अंतरविश्वविद्यालय युवा महोत्सव में स्वर्ण पदक जीता था। मार्च में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय अंतरविश्वविद्यालय युवा महोत्सव के लिए भी अर्हता प्राप्त की है जिसमें वह बीएचयू का प्रतिनिधित्व करेंगी।

शुभांगी ने बढ़ाया महामना की बगिया का मान

राष्ट्रीय युवा महोत्सव में बीएचयू के महिला महाविद्यालय की छात्रा ने प्रधानमंत्री के समक्ष दी प्रस्तुति

कही अपनी बात

नई दिल्ली के भारतमंडपम में 'विकास भी विरासत भी' विषय पर अपने विचारों से किया प्रभावित

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2025 के अंतर्गत विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 10 से 12 जनवरी तक भारतमंडपम, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में बीएचयू परिसर स्थित महिला महाविद्यालय की तृतीय वर्ष की छात्रा शुभांगी क्षितिजा सौरव ने 'विकास भी विरासत भी' विषय पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समक्ष अपनी प्रस्तुति दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस अवसर पर कहा: 'भारत के युवा विकसित भारत के अग्रदूत हैं। उनके पास नवाचार, जुनून और राष्ट्र की प्रगति के प्रति गहरी प्रतिबद्धता है। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग ने इस भावना को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया। आज का कार्यक्रम मेरे लिए अत्यंत यादगार

रहा, जहां हमने सामूहिक रूप से आर्थिक विकास, प्रौद्योगिकी, स्थिरता, संस्कृति और सामाजिक कल्याण पर विचार साझा किए। मैं गर्वित हूँ कि युवा नेताओं ने भारत के लिए अपनी दृष्टि इतनी प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत की।'

शुभांगी का चयन प्रधानमंत्री के साथ विशेष चर्चा और लंच के लिए भी हुआ, जिसमें प्रधानमंत्री ने प्रतिभागियों के साथ अपने जीवन के अनुभव साझा किए। यह लगातार दूसरा वर्ष है जब शुभांगी को युवा

एवं खेल मंत्रालय द्वारा इस प्रतिष्ठित आयोजन में भाग लेने के लिए चयनित किया गया। उनकी इस उपलब्धि ने बीएचयू का मान बढ़ाया है।

शुभांगी की प्रस्तुति भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और आधुनिक विकास के बीच सामंजस्य पर आधारित थी। उन्होंने प्राचीन भारतीय मूल्यों और आधुनिक प्रगति के संतुलन पर अपने विचार रखे। उनकी प्रस्तुति को काफी सराहना मिली। इससे पहले, शुभांगी ने नवंबर में क्षेत्रीय

अंतरविश्वविद्यालय युवा महोत्सव में स्वर्ण पदक जीता था और मार्च में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय अंतरविश्वविद्यालय युवा महोत्सव के लिए भी अर्हता प्राप्त की, जिसमें वे बीएचयू का प्रतिनिधित्व करेंगी। राष्ट्रीय युवा महोत्सव का उद्देश्य युवाओं को सशक्त बनाना और उन्हें राष्ट्र निर्माण में अपने विचारों और प्रयासों के माध्यम से योगदान देने के लिए प्रेरित करना है। शुभांगी की भागीदारी 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण को और सुशक्त बनाती है।



प्रो. राजीव दुबे को सर्वश्रेष्ठ कवि का पुरस्कार II

वाराणसी: बीएचयू के प्रो. राजीव कुमार दुबे को 11 जनवरी को कोलकाता लिटरेरी कार्निवल-2025 में वर्ष के प्रतिष्ठित कवि का पुरस्कार दिया गया है। यह सम्मान उनके गीता सुगीता कर्तव्य को मान्यता देता है, जो हिंदी कविता में गीता का अनुवाद है और आध्यात्मिक ज्ञान और काव्य प्रतिभा का समायोजन करता है। गीता सुगीता कर्तव्य को कर्तव्य, आध्यात्मिकता व नैतिक दर्शन की गहन खोज के लिए सराहा है, जिसने दक्षिण-पूर्व एशिया में प्रशंसा अर्जित की है। उनकी पिछली कृतियों, उर्वी और कवि-कोविद को भी व्यापक सराहना मिली है। (जासं)

बीएचयू के प्रो. राजीव को सर्वश्रेष्ठ कवि पुरस्कार

वाराणसी। आईएमएस बीएचयू के एनेस्थिसियोलॉजी और क्रिटिकल केयर के प्रो. राजीव कुमार दुबे को सर्वश्रेष्ठ कवि पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। कोलकाता लिटरेरी कार्निवल 2025 में 11 जनवरी को उन्हें यह पुरस्कार मिला। प्रो. राजीव दुबे ने भगवद्गीता की शाश्वत शिक्षाओं को एक काव्यात्मक कथा में प्रस्तुत किया है। ब्यूरो

आईएमएस के प्रो. राजीव दुबे को मिला सम्मान

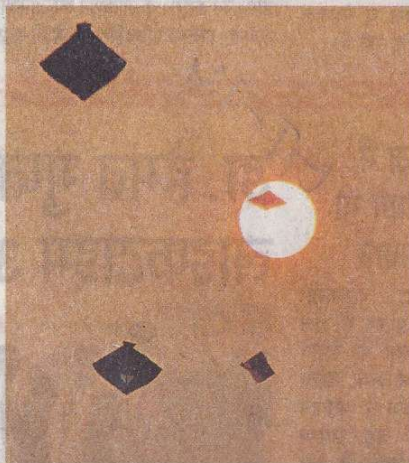
वाराणसी। बीएचयू के चिकित्सा विज्ञान संस्थान के एनेस्थिसियोलॉजी और क्रिटिकल केयर के प्रो. राजीव कुमार दुबे को सर्वश्रेष्ठ कवि का अवार्ड मिला है। उन्हें यह अवार्ड 'कोलकाता लिटरेरी कार्निवल - 2025' में दिया गया। प्रो. दुबे को भगवद्गीता की शिक्षाओं को काव्यात्मक कथा रूप में प्रस्तुत करने की उनकी अद्वितीय क्षमता के लिए सम्मानित किया गया है।

आज मकर राशि में प्रवेश करेंगे सूर्यदेव

मनाया जाएगा मकर संक्रांति उत्सव, उड़ेगी पतंग, खरमास हो जाएगा खत्म

जागरण संवाददाता, वाराणसी : भगवान भाष्कर मंगलवार को दोपहर बाद 2:44 बजे से अपनी राह बदल लेंगे। धनु से मकर राशि में प्रवेश करते ही उत्तरायण सूर्य सृष्टि में नई ऊष्मा का संचार करेंगे। अब दिन की अवधि बढ़ने लगेगी, रात्रिकाल घटेगा और इसके साथ पूरे देश में धूम से मकर संक्रांति उत्सव मनेगा। खरमास समाप्त होगा, मंगल कार्य आरंभ हो जाएंगे। सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करते ही संक्रांति काल आरंभ हो जाएगा और लोग पवित्र नदियों में स्नान के पश्चात दान कर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे।

सूर्य के मकर राशि में प्रवेश को लेकर पंचांगों में मतभिन्नता के चलते अलग-अलग मान दिए हुए हैं। कुछ पंचांगों में यह समय दोपहर बाद 2:45 बजे तो कुछ में अपराह्न 3:27 बजे है। फिर भी इसे लेकर सभी आचार्य एकमत हैं कि सूर्य के उत्तरायण में पहुंचने के पश्चात ही पुण्य स्नान काल आरंभ होगा। बीएचयू के ज्योतिष विभाग के विभागाध्यक्ष रहे प्रो. चंद्रमौलि उपाध्याय का कहना है कि मकर संक्रांति का पर्व सूर्य के दक्षिणायण से उत्तरायण होने की



आसमान छूने की तमन्ना ... मकर संक्रांति की पूर्व संध्या पर पतंग उड़ाने वालों में होड़ लगी रही। कौन सबसे ऊपर पतंग ले जाएगा और पेच लड़ाकर दूसरी पतंग को काट देगा इसी होड़ में लगा मानो पतंग सूर्यदेव तक पहुंच गई ● जवनीत रत्न पाठक

घटना पर मनाया जाता है। सूर्य का उत्तरायण होना पुण्यकाल का आरंभ है। मंगलवार को दिन में 2:44 बजे से मकर संक्रांति लगने के पश्चात स्नान-दान का क्रम आरंभ हो सकता है।

श्रीकाशी विद्वत परिषद के संगठन

आज से 14 मार्च तक मांगलिक लगन

जासं, वाराणसी : भगवान सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करते ही खरमास की समाप्ति हो जाएगी और विवाहादि शुभ व मांगलिक कार्यों के लग्न आरंभ हो जाएंगे। ये मांगलिक लगन पूरे दो माह यानी 14 मार्च तक लगातार रहेंगे। इसके पश्चात पुनः खरमास आरंभ हो जाएगा जो एक माह पश्चात 14 अप्रैल को सतुआ संक्रांति के साथ संपन्न होगा और पुनः मांगलिक कार्यों के आरंभ होने का पुण्य मार्ग प्रशस्त करेगा। पूरे देश में विभिन्न नामों से मनाई जाती है मकर संक्रांति भारतीय संस्कृति प्रकाश की उपासिका है। मकर संक्रांति के दिन सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने के बाद मौसम में भी क्रांति होती है। पृथ्वी पर प्रकाश की अवधि बढ़ जाती है यानी दिन बड़े होने लगते हैं। शरद ऋतु अवसान की ओर बढ़ चलती है तो बसंत के आगमन का मार्ग प्रशस्त होता है। माघ मास आते ही ठंड कम हो जाती है। किसानों को भी अपनी खेती के कार्य करने के लिए मौसम अनुकूल मिलने लगता है। यह पर्व अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। यूपी व बिहार में इसे खिचड़ी, पंजाब हरियाणा में लोहड़ी, गुजरात व राजस्थान में उत्तरायण, असम में माघ बिहू और भोगाली बिहू, तमिलनाडू में पोंगल, केरल में मकर विलक्कू, कुमायूँ और गढ़वाल में घुघुती कहा जाता है।

मंत्री व बीएचयू के ज्योतिष विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. विनय पांडेय ने बताया कि भगवान भाष्कर मंगलवार की दोपहर में 2:44 बजे मकर राशि में प्रवेश करेंगे। सूर्य की अन्य संक्रांतियों में यह पुण्य काल संक्रांति के आठ घंटे पूर्व से आठ

घंटे पश्चात तक माना जाता है। वहीं, मकर संक्रांति में यह आठ घंटे पश्चात तक ही मान्य है। इस प्रकार मकर संक्रांति का पुण्य काल दोपहर बाद 2:45 बजे या 3:26 बजे से आरंभ होकर रात के 10:44 या 11:27 बजे तक रहेगा।

बीएचयू: संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय के ज्योतिष विभाग की छलांग

ब्रह्मांड के रहस्य खोलेगा सूर्य सिद्धांत सॉफ्टवेयर

उपलब्धि

- सृष्टि के आरंभ से भविष्य तक की घटनाओं का आकलन होगा
- ज्योतिष के अध्येताओं के लिए खगोलीय रहस्य जानना आसान

वाराणसी, मुख्य संवाददाता। ब्रह्मांड के रहस्यों को समझने की दिशा में बीएचयू के संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय के ज्योतिष विभाग ने बड़ी छलांग लगाई है। तीन साल के परिश्रम के बाद ऐसा सॉफ्टवेयर विकसित किया गया है जो सृष्टि के आरंभ से भविष्य में होने वाली खगोलीय घटनाओं का आकलन करने में सहायक होगा। इस सॉफ्टवेयर को सूर्य सिद्धांत नाम दिया गया है।

सॉफ्टवेयर का अनावरण सोमवार को बीएचयू के ज्योतिष विभाग में किया गया। सूर्य सिद्धान्तीय गणितीय सॉफ्टवेयर के माध्यम से सूर्य सिद्धांत के गणितीय प्रक्रिया को उदाहरण सहित समझा जा सकता है। अब ज्योतिष के अध्येताओं के लिए खगोलीय रहस्यों को समझना सरल हो गया है। सूर्यसिद्धांत डॉट इन (suryasiddhant.in) वेबसाइट पर इससे संबंधित संपूर्ण विवरण है। सॉफ्टवेयर डॉ. सुभाष पांडेय के निर्देशन में डॉ. अमित कुमार मिश्र, डॉ. गौरव मिश्र ने विकसित किया है।



बीएचयू के ज्योतिष विभाग में सोमवार को सॉफ्टवेयर के अनावरण पर मौजूद शिक्षक।

सॉफ्टवेयर का अनावरण संकाय प्रमुख प्रो. राजाराम शुक्ल ने किया। प्रो. शुक्ल ने कहा कि यह उपलब्धि संकाय के लिए ही नहीं अपितु संपूर्ण ज्योतिष जगत के लिए महत्वपूर्ण है। इस सॉफ्टवेयर से हम कई ऐसे रहस्यों को जान पाएंगे जिन्हें लेकर आधुनिक विज्ञान में लंबे समय से कौतूहल है। डॉ. सुभाष पांडेय ने कहा कि यह सॉफ्टवेयर सूर्य सिद्धांत में होने वाली गणितीय कठिनता को दूर कर छात्रों को सरलता पूर्वक बोध कराने में सहायक होगा। प्रो. विनय कुमार पांडेय

ने कहा कि इस सॉफ्टवेयर से शास्त्री से शोधार्थी तक सभी छात्रों को गणित की एक नई दिशा मिलेगी। वर्तमान में संस्कृत छात्र भी तकनीकी के माध्यम से गणित को समझ कर उसका अनुप्रयोग कर लाभान्वित होंगे। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. शत्रुघ्न त्रिपाठी, डॉ. रामेश्वर शर्मा, डॉ. सुनील कुमार गुप्ता, प्रो. शैलेश तिवारी, डॉ. अजय कुमार पाण्डेय, डॉ. सुरेन्द्र पाण्डेय, प्रो. माधव जनार्दन रटटे, डॉ. रविशंकर दुबे आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बीएचयू: संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय के ज्योतिष विभाग की छलांग

ब्रह्मांड के रहस्य खोलेगा सूर्य सिद्धांत सॉफ्टवेयर 4

उपलब्धि

- सृष्टि के आरंभ से भविष्य तक की घटनाओं का आकलन होगा
- ज्योतिष के अध्येताओं के लिए खगोलीय रहस्य जानना आसान

वाराणसी, मुख्य संवाददाता। ब्रह्मांड के रहस्यों को समझने की दिशा में बीएचयू के संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय के ज्योतिष विभाग ने बड़ी छलांग लगाई है। तीन साल के परिश्रम के बाद ऐसा सॉफ्टवेयर विकसित किया गया है जो सृष्टि के आरंभ से भविष्य में होने वाली खगोलीय घटनाओं का आकलन करने में सहायक होगा। इस सॉफ्टवेयर को सूर्य सिद्धांत नाम दिया गया है।

सॉफ्टवेयर का अनावरण सोमवार को बीएचयू के ज्योतिष विभाग में किया गया। सूर्य सिद्धान्तीय गणितीय सॉफ्टवेयर के माध्यम से सूर्य सिद्धांत के गणितीय प्रक्रिया को उदाहरण सहित समझा जा सकता है। अब ज्योतिष के अध्येताओं के लिए खगोलीय रहस्यों को समझना सरल हो गया है। सूर्यसिद्धांत डॉट इन (suryasiddhant.in) वेबसाइट पर इससे संबंधित संपूर्ण विवरण है। सॉफ्टवेयर डॉ. सुभाष पांडेय के निर्देशन में डॉ. अमित कुमार मिश्र, डॉ. गौरव मिश्र ने विकसित किया है।



बीएचयू के ज्योतिष विभाग में सोमवार को सॉफ्टवेयर के अनावरण पर मौजूद शिक्षक।

सॉफ्टवेयर का अनावरण संकाय प्रमुख प्रो. राजाराम शुक्ल ने किया। प्रो. शुक्ल ने कहा कि यह उपलब्धि संकाय के लिए ही नहीं अपितु संपूर्ण ज्योतिष जगत के लिए महत्वपूर्ण है। इस सॉफ्टवेयर से हम कई ऐसे रहस्यों को जान पाएंगे जिन्हें लेकर आधुनिक विज्ञान में लंबे समय से कौतूहल है। डॉ. सुभाष पांडेय ने कहा कि यह सॉफ्टवेयर सूर्य सिद्धांत में होने वाली गणितीय कठिनता को दूर कर छात्रों को सरलता पूर्वक बोध कराने में सहायक होगा। प्रो. विनय कुमार पांडेय

ने कहा कि इस सॉफ्टवेयर से शास्त्री से शोधार्थी तक सभी छात्रों को गणित की एक नई दिशा मिलेगी। वर्तमान में संस्कृत छात्र भी तकनीकी के माध्यम से गणित को समझ कर उसका अनुप्रयोग कर लाभान्वित होंगे। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. शत्रुघ्न त्रिपाठी, डॉ. रामेश्वर शर्मा, डॉ. सुनील कुमार गुप्ता, प्रो. शैलेश तिवारी, डॉ. अजय कुमार पाण्डेय, डॉ. सुरेन्द्र पाण्डेय, प्रो. माधव जनार्दन रटाटे, डॉ. रविशंकर दुबे आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

ज्योतिष के सूर्य सिद्धांत की पढ़ाई अब आसान, 5 मिनट में बनेगा पंचांग गूगल पर 'सूर्य सिद्धांत डॉट इन' पर क्लिक कर बना सकते हैं, शास्त्री, आचार्य और पीएचडी करने वाले शोधार्थी

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। बीएचयू में ज्योतिष के सूर्य सिद्धांत की पढ़ाई अब आसान होगी। ज्योतिष विभाग में गणित के मानों की तीव्र गणना के लिए सॉफ्टवेयर का लोकार्पण किया गया है। महीनों में बनने वाला पंचांग अब पांच मिनट में बन सकेगा।

शास्त्री और आचार्य से लेकर पीएचडी करने वाले शोधार्थियों को सहायता देने के लिए ये कदम उठाया गया है। इस सॉफ्टवेयर पर ऑनलाइन कहीं से भी काम किया जा सकता है। गूगल पर 'सूर्य सिद्धांत डॉट इन' पर क्लिक कर कोई भी छात्र-



ज्योतिष विभाग में सॉफ्टवेयर के लोकार्पण के दौरान मौजूद अतिथि। स्रोत : विवि

छात्र या प्रोफेसर अपना शोध कार्य कर के बारे में पता कर सकेंगे। संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय के प्रमुख प्रो. राजाराम

शोध और अध्ययन के छात्रों को मिलेगी मदद

प्रो. विनय पांडेय ने कहा कि ज्योतिष के क्षेत्र में शोध और अध्ययन करने वाले छात्रों को इससे मदद मिलेगी। इससे ज्योतिष शास्त्र के सूर्य सिद्धांत का गान निकाला जा सकता है। डॉ. सुभाष पांडेय ने कहा कि यह सॉफ्टवेयर सूर्य सिद्धांत में होने वाली गणितीय कठिनाई को दूर करके छात्रों को सरलता पूर्वक काम करने में मदद करेगा। लोकार्पण कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. शत्रुघ्न त्रिपाठी, डॉ. रामेश्वर, डॉ. सुनील के साथ छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

शुक्ल ने बताया कि तीन साल से सॉफ्टवेयर तैयार किया जा रहा था।

डॉ. सुभाष पांडेय के निर्देशन में डॉ. अमित कुमार मिश्र और डॉ. गौरव मिश्र ने इसे तैयार किया है। डॉ. सुभाष पांडेय ने कहा कि किसी भी वर्ष का पंचांग बनाना हो, तिथियों की शुद्धि और ग्रहों की चाल, गति

और स्थितियों का पता लगाने के लिए जो भी गणित सूत्रों का इस्तेमाल किया जाता है, उन सबका आकलन पांच मिनट में लैपटॉप में किया जा सकता है। सृष्टि निर्माण से लेकर आगामी कई वर्षों की भविष्यवाणी में इस्तेमाल होने वाले गणितीय मान को आसानी से ज्ञात किया जा सकता है।

तीन संकायों में परीक्षा की बाध्यता खत्म, पीएचडी में सीधे प्रवेश

IV

आइएमएस के मेडिसिन, आयुर्वेद और दंत चिकित्सा विज्ञान संकाय के लिए बदलाव

अन्य संकायों के लिए निर्धारित की गई सीटें

संकाय	आरईटी	आरईटी-एक्स	कुल योग
कृषि	44	31	75
पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान	31	21	52
कला	141	127	268
दृश्य कला	11	20	31
शिक्षा	30	22	52
विधि	10	19	29
प्रबंधन अध्ययन	19	19	38
सामाजिक विज्ञान	87	69	156
वाणिज्य	12	20	32
प्रदर्शन कला	20	11	31
संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान	13	13	26
विज्ञान	186	192	378
पर्यावरण एवं सतत विकास	8	6	14



जेआरएफ में कम आवेदन होने पर आरईटी में जोड़ेंगे सीट
आरईटी व एजेन्टेड की सीटें विभागों ने जापाना तो जिस विभाग में जेआरएफ की सीटों पर कम आवेदन होगा, वहां उसी सीटें आरईटी में जोड़ दी जाएगी ताकि जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) के अभ्यर्थियों को मौका मिलेगा, लेकिन उनकी संख्या काफी कम रहेगी। इस बार जब आवेदन फॉर्म भरना बंद हो

इस बार आइएमएस की निर्धारित सीटें

संकाय	आरईटी	आरईटी-एक्स	कुल योग
चिकित्सा	91	92	183
आयुर्वेद	83	82	165
दंत चिकित्सा विज्ञान	8	2	10
कुल योग	182	176	358

- हर वर्ष 20 प्रतिशत सीटों पर ही डाक्टर लेते प्रवेश, अभी तक देनी होती थी यूजीसी नेट परीक्षा
- सत्र 2025-26 में भरी जाएगी मेडिकल की 358 सीट, मुख्य विषय में भी समायोजित करेंगे

जमराणा संवाददाता, वाराणसी : बीएचयू के चिकित्सा विज्ञान संस्थान के अधिकांश विभागों में हर साल पीएचडी की 70 प्रतिशत सीटें खाली चली जाती हैं। इस बार भी ऐसी स्थिति नहीं बने, इसके लिए विवि प्रशासन की तरफ से नियमों में बदलाव किया गया है। इस बार मेडिसिन, आयुर्वेद और दंत चिकित्सा विज्ञान संकाय में पीएचडी करने के लिए चिकित्सकों को परीक्षा नहीं देनी होगी, वहां सीधे पीएचडी के लिए दाखिला देने के आदेश हुए हैं। अभी तक उन्हें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की तरफ से आयोजित नेट परीक्षा देनी होती थी। हर वर्ष आयुर्वेद विभाग में पीएचडी की 20% सीटें भरी जाती हैं।

शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए आइएमएस के तीनों संकायों में 358 सीटों पर प्रवेश होगा, इनमें 182 अनुसंधान प्रवेश परीक्षा (आरईटी) और 176 आरईटी-एक्स (शोध प्रवेश

परीक्षा से छूट) की सीटें निर्धारित की गई हैं। इसके अलावा विभाग प्रत्येक विषय को सह विषय (एलाइंड सबजेक्ट) नाम देता है, अगर एलाइंड सबजेक्ट में सीटें खाली रहेंगी तो वह मुख्य विषय में समायोजित कर दी

जाएंगी। तीन हजार पंजीकरण, 15 फरवरी से घोषित होगा परिणाम : इसमें 794 आरईटी और 746 आरईटी-एजेन्टेड सीटें रहेंगी। 21 जनवरी तक आवेदन मांगे गए हैं, सोमवार को दोपहर तक तीन हजार से अधिक अभ्यर्थियों ने पंजीकरण

कामया है। विज्ञान और कला संकाय के लिए सर्वाधिक पीएचडी सीटें निर्धारित की गई हैं। आवेदन पत्र आनलाइन भरना और जमा करना होगा। आवेदन पत्र जमा करने के बाद प्रवेश प्रक्रिया बंद कर दी जाएगी।

अनुमति नहीं दी जाएगी। 27 जनवरी से 12 फरवरी तक दस्तावेजों का सत्यापन और सक्षात्कार होगा। 15 फरवरी से पांच मार्च तक परिणाम घोषित किया जाएगा। छह मार्च को प्रवेश प्रक्रिया बंद कर दी जाएगी।

सेंट्रल लाइब्रेरी में इंटरैक्शन और फीडबैक सेशन 32

वाराणसी। बीएचयू की सेंट्रल लाइब्रेरी में स्टाफ प्रोफेशनल डेवलपमेंट पर कार्यशाला हुई।

पुस्तकालय कर्मचारियों को एक-दूसरे की समझ बढ़ाने की ट्रेनिंग दी गई। इस दौरान इंटरैक्शन और फीडबैक सेशन भी हुआ। विकास कार्यक्रमों



कार्यशाला में मौजूद प्रतिभागी व अन्य। स्रोत : विवि

में स्टाफ की जरूरतों और अपेक्षाओं को पहचानने की तकनीक सिखाई गई। कर्मचारी विकास सेल के समन्वयक प्रो. सुजीत कुमार दुबे ने सहायक रजिस्ट्रार आरपी मेहरोत्रा और राज कुमार सोनी ने लाइब्रेरी स्टाफ में पेशेवर कौशल बढ़ाने की बात कही। वर्कशॉप में उनके विकास के लिए कई प्रोग्राम को भी डिजाइन किया गया था, जिसे देखकर बेहतर काम करने के प्रति प्रतिबद्धता दिखाई गई। ब्यूरो

एसीए और विवेक क्रिकेट क्लब संयुक्त विजेता 52



बीएचयू के एंफीथियेटर ग्राउंड पर विजेता टीम के खिलाड़ी। स्वयं

वाराणसी। वाराणसी क्रिकेट एसोसिएशन की बाबू तैलंग स्मृति जिला क्रिकेट लीग सोमवार को खत्म हुई। बीएचयू के एंफीथियेटर मैदान पर बारिश की वजह से 'एसीए' क्रिकेट क्लब और ओलंपियन विवेक क्रिकेट क्लब को संयुक्त विजेता घोषित किया गया। विवेक क्रिकेट क्लब की टीम ने 35 ओवर में 5 विकेट पर 177 रन बनाए। विवेक क्रिकेट क्लब की ओर से रोशन चौहान ने 65, सुधांशु तिवारी ने 51 और ओम वर्मा व शिवम पटेल ने 20-20 रन बनाए। जवाब में 'एसीए' क्रिकेट क्लब की ओर से रणजी खिलाड़ी सौरभ दूबे ने 30, शुभम राय ने 32 रन बनाए, इसी दौरान बारिश होने लगी। विवेक क्रिकेट क्लब की ओर से गौरांश जौहर, आदर्श कुमार, अनिल यादव ने एक-एक विकेट लिए। बेस्ट बैट्समैन ओम वर्मा, बेस्ट बॉलर आदर्श कुमार और मैन ऑफ द सीरीज ऋषभ मिश्र चुने गए। सीमांत सिंह, हारिस, अमित मौजूद रहे। संवाद

शिवाय एसीए और विवेक क्लब संयुक्त विजेता

जिला क्रिकेट लीग

वाराणसी। बारिश के खलल से सोमवार को बाबू तैलंग स्मृति जिला क्रिकेट लीग (सीनियर वर्ग) के फाइनल में न शिवाय एसीए क्रिकेट क्लब जीता, न ओलंपियन विवेक क्रिकेट क्लब हारा। दोनों टीमों को संयुक्त विजेता घोषित किया गया।

बीएचयू के एम्फीथिएटर मैदान पर सुबह टॉस जीता और विवेक क्लब को बल्लेबाजी का न्योता दिया। रोशन चौहान (65) और सुधांशु तिवारी (51) की मदद से विवेक क्लब ने 35 ओवरों में पांच



जिला क्रिकेट लीग की संयुक्त विजेता टीम ट्रॉफी और अतिथियों के साथ। • हिन्दुस्तान

विकेट खोकर 177 रन बनाए। शिवाय के आकर्ष दो तथा मो. सैफ, प्रिंस मौर्या एवं अभय द्विवेदी ने एक-

एक विकेट लिया।

जवाब में शिवाय एसीए जब चार विकेट खोकर 78 रन बना चुकी थी

तभी बारिश का खलल पड़ा और मैच स्थगित करना पड़ा। इससे दोनों टीमों को संयुक्त विजेता घोषित किया गया। ओम वर्मा को बेस्ट बैट्समैन, आदर्श कुमार को बेस्ट बॉलर एवं ऋषभ मिश्रा को बेस्ट ऑलराउंडर घोषित किया गया। मैच के बाद मुख्य अतिथि ने बीएचयू स्पोर्ट्स बोर्ड के महासचिव प्रो. बीसी कापरी ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। इस दौरान पूर्व रणजी खिलाड़ी सगीर अहमद स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता (अंडर-16) की विजेता द क्रिकेट ब्रॉय तथा उप विजेता एसडीसीए क्लब के खिलाड़ियों को भी पुरस्कृत किया गया।

फेक कॉल आने पर दिखाएं समझदारी

साइबर कार्यशाला

वाराणसी, संवाददाता। बीएचयू के महिला महाविद्यालय में सोमवार को साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सिक्वोरिटी एक्सपर्ट दीपक कुमार ने बताया कि किसी भी प्रकार के साइबर अपराध होने पर cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। छात्राओं से कहा कि साइबर अपराध से बचाव के लिए सबसे जरूरी सतर्कता है। सोशल मीडिया व अन्य डिजिटल प्लेसफॉर्म का इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने



बीएचयू के महिला महाविद्यालय में साइबर जागरूकता कार्यक्रम में शामिल छात्राएं।

छात्राओं को बताया कि अगर कोई फर्जी आईडी बना देता है तो परेशान होने की बजाय पुलिस से संपर्क करें।

आधार कार्ड और फर्जी आईडी का लिंक शेयर करें। पुलिस इसे तत्काल प्रभाव से बंद करा देगी।

फेक कॉल आने पर दिखाएं समझदारी

साइबर कार्यशाला

वाराणसी, संवाददाता। बीएचयू के महिला महाविद्यालय में सोमवार को साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सिक्वोरिटी एक्सपर्ट दीपक कुमार ने बताया कि किसी भी प्रकार के साइबर अपराध होने पर cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। छात्राओं से कहा कि साइबर अपराध से बचाव के लिए सबसे जरूरी सतर्कता है। सोशल मीडिया व अन्य डिजिटल प्लेसफॉर्म का इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने



बीएचयू के महिला महाविद्यालय में साइबर जागरूकता कार्यक्रम में शामिल छात्राएं।

छात्राओं को बताया कि अगर कोई फर्जी आईडी बना देता है तो परेशान होने की बजाय पुलिस से संपर्क करें।

आधार कार्ड और फर्जी आईडी का लिंक शेयर करें। पुलिस इसे तत्काल प्रभाव से बंद करा देगी।

चेस्ट एंड टीबी ओपीडी शेड्यूल में किया बदलाव

वाराणसी। बीएचयू अस्पताल के चेस्ट एंड टीबी विभाग की ओपीडी शेड्यूल में परिवर्तन हुआ है। नए शेड्यूल के अनुसार सोमवार और बुधवार को प्रो. जेके मिश्रा, मंगलवार और माह के तीसरे शनिवार को डॉ. अतुल तिवारी, गुरुवार और माह के दूसरे तथा पांचवें शनिवार को डॉ. मोहित भाटिया, शुक्रवार और माह के चौथे शनिवार को डॉ. दीपक कुमार शाह परामर्श देंगे।

बीएचयू के टीबी और श्वसन रोग विभाग का बदला ओपीडी शेड्यूल

जागरण संवाददाता, वाराणसी : काशी हिंदू विश्वविद्यालय के टीबी और श्वसन रोग विभाग के ओपीडी शेड्यूल में बदलाव किया गया है। कई डाक्टरों का ओपीडी दिवस परिवर्तित हुआ है।

हर शनिवार को नये और पुराने मरीजों को देखा जाएगा। सोमवार और बुधवार को प्रो. जेके मिश्रा, मंगलवार को डा. अतुल तिवारी, गुरुवार को डा. मोहित भाटिया और शुक्रवार को डा. दीपक कुमार शाह बहिरंग में मरीजों का उपचार करेंगे। पहले और चौथे शनिवार को डा. दीपक कुमार शाह, दूसरे व पांचवें शनिवार को डा. मोहित भाटिया और तीसरे शनिवार को डा. अतुल तिवारी व्यवस्था देखेंगे।

दो प्रोफेसरो पर आरोपों की जांच करेगी विवि की आंतरिक कमेटी

जागरण संवाददाता, वाराणसी : बीएचयू के आयुर्वेद संकाय के डीन प्रो. पीके गोस्वामी और पूर्व प्राक्टर प्रो. आनंद चौधरी पर लगे गंभीर आरोपों की जांच के लिए विवि प्रशासन की ओर से आंतरिक कमेटी गठित की गई है। रस शास्त्र और भैषज्य कल्पना विभाग की अध्यक्ष प्रो. नम्रता जोशी ने दोनों प्रोफेसरो पर उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। राष्ट्रीय महिला आयोग में शिकायत की है, उन्होंने न्याय की गुहार लगाई है।

प्रो. आनंद के खिलाफ गंभीर शिकायतें की हैं। मामले में कुलसचिव कार्यालय की तरफ से 10 जनवरी को पत्र जारी हुआ है, इसमें सामान्य प्रशासन के संयुक्त रजिस्ट्रार डा. एसपी माथुर ने बताया कि प्रो. नम्रता ने आरोप लगाए हैं कि प्रो. आनंद और प्रो. गोस्वामी द्वारा उनके साथ असहिष्णु व्यवहार किया गया है। आरोपों की जांच कमेटी के जरिए कराई जाएगी। प्रो. नम्रता को 17 जनवरी को दोपहर तीन बजे लक्ष्मण दास गेस्ट हाउस (एनेक्सी बिल्डिंग) के कॉन्फ्रेंस हाल में समिति के समक्ष जरूरी दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने के लिए कहा गया है।

शिकायत की जांच शुरू

वाराणसी। आईएमएस बीएचयू आयुर्वेद संकाय के रसशास्त्र विभाग की अध्यक्ष प्रो. नम्रता जोशी ने अपने ही विभाग के दो वरिष्ठ प्रोफेसरो पर परेशान करने की शिकायत की थी। इसकी जांच विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति ने शुरू कर दी है। इसमें विभागाध्यक्ष को 17 जनवरी को अपना पक्ष रखने के लिए भी बुलाया गया है। संयुक्त कुलसचिव प्रशासन और समिति के सदस्य डॉ.एसपी माथुर ने प्रो. नम्रता को भेजे पत्र में मामले की जांच शुरू होने की जानकारी दी है। ब्यूरो

बीएचयू के छात्र-छात्राओं पर दर्ज फर्जी मुकदमे हों वापस

जनसंदेश न्यूज

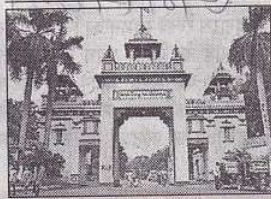
की मांग

वाराणसी। बीएचयू के छात्र-छात्राओं पर दर्ज फर्जी मुकदमों की वापसी, दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई और जनता के लोकतांत्रिक व संवैधानिक अधिकारों को दबाने व उत्पीड़न के खिलाफ बनारस का नागरिक समाज, विभिन्न राजनीतिक व सामाजिक संगठनों का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को पुलिस आयुक्त से मिलने और ज्ञापन देने के लिए आयुक्त कार्यालय पहुंचा था लेकिन दो घंटे तक इंतजार के बाद भी आयुक्त के नहीं मिलने पर प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन को उनके कमरे के बाहर चस्पा किया और उसका संज्ञान लेकर न्यायोचित कार्रवाई की बात कही।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा संविधान निमार्ता बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर पर आपत्तिजनक बयान देने के बाद बीएचयू में एनएसयूवाई ईकाई के छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय में विरोध किया तो उन पर लंका थानाध्यक्ष द्वारा जबरन गलत मुकदमा दर्ज कर दिया गया। उसके बाद 25 दिसंबर 2024 को

विभिन्न राजनीतिक दलों व काशीवासियों के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस आयुक्त कार्यालय के बाहर किया इंतजार

दो घंटे तक इंतजार के बाद पुलिस आयुक्त के न मिलने पर कार्यालय पर चस्पा किया ज्ञापन



बीएचयू में भगत सिंह स्टूडेंट्स मोर्चा के छात्र-छात्राओं को मनुस्मृति पर परिचर्चा करने के कारण पुनः लंका थानाध्यक्ष द्वारा फर्जी धाराओं में अपराधिक मुकदमा बनाकर 13 छात्र-छात्राओं को जेल भेज दिया गया। जबकि इतिहास की बात करें तो उसी दिन अर्थात् 25 दिसंबर 1927 को संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव आंबेडकर ने सामाजिक विद्वेष को बढ़ाने

वाली मनुस्मृति की प्रति को जलाया था। तबकि ब्रितानिया हुकूमत ने उन पर न मुकदमा दर्ज किया न जेल भेजा, लेकिन लगता है आज के दौर में उन्होंने ऐसा कृत्य उग्र में किया होता तो यूपी पुलिस उन्हें भी जेल भेज देती। वर्तमान समय में अभिव्यक्ति पर बढ़ते हमले और असहमति की आवाज को दबाने के लिए जिस तरह पुलिस तंत्र और फर्जी मुकदमों का सहारा लिया जा रहा है वो काफी चिंताजनक है।

ज्ञापन चस्पा करने के बाद प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी के महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने कहा कि पुलिस आयुक्त के अंदर अगर थोड़ी भी नैतिकता बची हो तो वो

हमारे ज्ञापन का संज्ञान लेकर छात्र-छात्राओं के साथ न्याय करें। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुजीत यादव लक्कड़ ने कहा की पुलिस आयुक्त विपक्ष के नेताओं से मिलने से कतरा रही है, यह किसी भी लोकतांत्रिक देश के लिए ठीक नहीं है। छात्र-छात्राओं को न्याय मिलने तक लड़ाई लड़ते रहेंगे। प्रतिनिधिमंडल के नेताओं ने यह तय की उनका अगला कदम बीएचयू का कैपस होगा। 16 जनवरी को सुबह 11 बजे यही प्रतिनिधिमंडल बीएचयू के कुलपति से मिलकर छात्र-छात्राओं के उत्पीड़न पर सवाल उठाएगा और चीफ प्रॉक्टर के इस्तीफे की मांग करेगा। प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष राजेश्वर सिंह पटेल, कम्युनिस्ट फ्रंट से मनीष शर्मा, भगत सिंह व आंबेडकर विचार मंच से एसपी राय, संजीव सिंह, पीयूसीएल से प्रवाल सिंह, डा. अनिल कुमार राय, लक्ष्मण प्रसाद, सतीश सिंह, अनूप श्रमिक, एडवोकेट संतोष यादव, प्रेमप्रकाश यादव, अशोक सिंह आदि शामिल रहे।

पीएचडी नियमावली के विरोध में डीन और छात्रों में तीखी बहस

वाराणसी। बीएचयू की पीएचडी नियमावली के विरोध में सेंट्रल ऑफिस में छात्रों और सामाजिक विज्ञान संकाय की डीन समेत अधिकारियों के बीच तीखी बहस हुई। डीन प्रो. वृंदा परांजपे ने धरना समाप्त करने को कहा। छात्रों ने कहा कि मांगें डेढ़ साल से नहीं सुनी जा रही हैं। प्रो. परांजपे के लिए धरना स्थल पर कुर्सी भी लगवाई गई थी। संकाय और प्रॉक्टोरियल बोर्ड के 25-30 अधिकारी और सुरक्षाकर्मी भी थे।

बातचीत के बाद भी छात्रों ने धरना खत्म नहीं किया। सोमवार को समर्थन में छात्र संघ के पूर्व पदाधिकारी भी पहुंचे। धरना पिछले छह दिनों से जारी है। पुरानी व्यवस्था लागू करने और एक सत्र वाले नेट पास के बजाय सभी को मौका देने को कहा। पूर्व राज्यमंत्री बहादुर यादव ने कहा कि छात्रों पर निलंबन की कार्रवाई ठीक नहीं है। अरविंद शुक्ल, भुवनेश्वर द्विवेदी, प्रशांत राय और पुनीत मौजूद रहे। ब्यूरो

पुलिस आयुक्त नहीं मिले तो चस्पा किया ज्ञापन

वाराणसी। कांग्रेस महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे और सपा जिलाध्यक्ष सुजीत यादव उर्फ लक्कड़ पहलवान के नेतृत्व में सोमवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस आयुक्त कार्यालय की दीवार पर ज्ञापन चस्पा किया। राघवेंद्र चौबे ने कहा कि हाल ही में बीएचयू कैपस में मनु स्मृति जलाने के विरोध में छात्र-छात्राओं को गिरफ्तार किया गया था। उन सभी को अब जमानत मिल गई है। छात्र-छात्राओं पर दर्ज मुकदमे खत्म करने की मांग की। ब्यूरो

यूएन के जियोडेटिक सेंटर में पहला भारतीय पार्टनर बना आईआईटी

सिविल इंजीनियरिंग विभाग, ग्लोबल मैपिंग और सैटेलाइट नैविगेशन में करेगा सहयोग

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। ग्लोबल मैपिंग और सतत विकास के लक्ष्य को पूरा करने को लेकर आईआईटी बीएचयू को बड़ी सफलता मिली है। संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल जियोडेटिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने आईआईटी बीएचयू को अपना रिसर्च पार्टनर घोषित किया है।

सेंटर ने भारत में पहली बार किसी संस्थान से तकनीकी मदद के लिए करार किया है। अब आईआईटी बीएचयू का सिविल इंजीनियरिंग विभाग जियो और ग्लोबल मैपिंग के रिसर्च में यूएन को तकनीकी मदद देगा। समुद्री जल स्तर, पहाड़ों, ग्लेशियर, जंगलों, वीरान स्थलों और नदियों की मैपिंग का डेटा तैयार किया जाएगा।

सैटेलाइट नैविगेशन, जलवायु परिवर्तन, आपदा प्रबंधन और भौगोलिक नीतियां बनाने में आसानी होगी। आईआईटी बीएचयू की ओर से एक्स पर कहा गया है कि संस्थान अब जियो स्पेशियल विज्ञान के इनोवेशन में तेजी से काम करेगा। यानी कि किसी निश्चित भू भाग का वैज्ञानिक ढंग से अध्ययन कर डेटा तैयार किया जाएगा। गर्व है कि हम भारत के एकमात्र संस्थान हैं, जिसने ये प्रतिष्ठित समझौता किया है।

यूएन, जर्मनी ने मिलकर किया गठन

संयुक्त राष्ट्र और जर्मनी ने मिलकर संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल जियोडेटिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का गठन किया है। इसकी स्थापना 29 मार्च 2023 को जर्मनी के बोन शहर में हुई थी। 2015 में यूएन की जनरल एसेंबली ने सेंटर को हरी झंडी दिखाई थी। इसका उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों को धरती के भूगोल से जुड़ी जानकारियां उपलब्ध कराना है। इससे सदस्य देशों को वैज्ञानिक, सामाजिक और आर्थिक विकास को गति मिलेगी।



सिविल इंजीनियरिंग विभाग।



आईआईटी के राजपुताना ग्राउंड में लोहड़ी कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुत करती छात्राएं। संवाद

आईआईटी बीएचयू में जमकर हुआ भंगड़ा 36

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू के राजपुताना ग्राउंड में लोहड़ी पर डीजे पर भंगड़ा हुआ। लोकनृत्य के साथ ही स्टेज परफॉर्मेंस भी हुई। पारंपरिक ड्रेस कोड में छात्र और छात्राओं ने पंजाबी गीतों पर जमकर ठुमके लगाए। इससे पहले लोहड़ी में आग जलाकर भंगड़ा गिद्धा पाया। पारंपरिक वेशभूषा में उसके फेरे लिए। फिर छात्र और छात्राओं ने एक दूसरे को तिल और गुड़ भी खिलाया। आंदी कुड़ियों-जांदी कुड़ियों, जदो नची... जैसे गीतों पर छात्र-छात्राओं ने भंगड़ा किया। स्टूडेंट्स के चार ग्रुप में से तीन ने डांस और एक ने नाटक की प्रस्तुति देकर वहां बैठे 500 से ऑडियंस का मन मोह लिया। लोहड़ी पूजा और मंच प्रस्तुति के बाद राजपुताना ग्राउंड पर डीजे पर हजारों छात्रों ने फिल्मी गानों पर घंटे भर डांस किया। बड़ी संख्या में बीएचयू कैंपस के हॉस्टल के भी छात्र वहां पर पहुंचे। व्यूरो

आईआईटी बीएचयू में जमकर भांगड़ा

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू के राजपुताना ग्राउंड में लोहड़ी पर डीजे पर भांगड़ा हुआ। लोकनृत्य के साथ ही स्टेज परफॉर्मेंस भी हुई। पारंपरिक ड्रेस कोड में छात्र और छात्राओं ने पंजाबी गीतों पर जमकर ठुमके लगाए। आंदी कुड़ियों-जांदी कुड़ियों, जदो नची... जैसे गीतों पर छात्र-छात्राओं ने भांगड़ा किया। स्टूडेंट्स के चार ग्रुप में से तीन ने डांस और एक ने नाटक की प्रस्तुति देकर वहां बैठे 500 से ऑडियंस का मन मोह लिया। 3

टेक्नेक्स 2025 में 587 कॉलेज बने एंबेसडर

जुड़ाव

आईआईटी बीएचयू में 28 फरवरी से होगा आयोजन इंटरनेशनल कैंपस भी शामिल जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। एशिया के सबसे पुराने और आईआईटी बीएचयू के टेक्नो-मैनेजमेंट फेस्ट टेक्नेक्स-25 के लिए देश भर के कुल 587 कॉलेज एंबेसडर बनाए गए हैं। इनमें 65 इंटरनेशनल कॉलेज एंबेसडर भी शामिल हैं।

आईआईटी बीएचयू में 28 फरवरी से दो मार्च तक टेक्नेक्स-25 का आयोजन होगा। टेक्नेक्स-25 के साथ ही काशीयात्रा-25 और जागृति-25 की तैयारियां भी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बीएचयू) में शुरू हो गई हैं। आईआईटी में 28 फरवरी से दो मार्च तक चलने वाला टेक्नेक्स इवेंट कॉलेजों के विद्यार्थियों को भी कैंपस एंबेसडर बनने का मौका दे रहा है।

ये कैंपस एंबेसडर टेक्नेक्स प्रोग्राम के अलग-अलग आयोजनों का नेतृत्व करेंगे। ये कैंपस एंबेसडर वर्कशॉप और प्रोग्राम कराने के साथ

50 लाख छात्रों को पढ़ाने का रिकार्ड बना चुकी है नेहा

आईआईटी बीएचयू के सोशल सर्विस काउंसिल की ओर से सबसे पहले जागृति-25 का आयोजन किया जाएगा। ये 17 से 19 जनवरी तक चलेगा। इसमें मैथमेटिक्स आइकॉन नेहा अग्रवाल प्रतिभाग करेंगी। 16 साल में 50 लाख से ज्यादा विद्यार्थियों को पढ़ाने का रिकार्ड बना चुकी नेहा को शिक्षा मंत्रालय ने भी पहचान दी है। जागृति कार्यक्रम आर्किटेक्ट ऑफ सैपियंस थीम पर होगा। किटिकल थिंकिंग पर देशभर के विशेषज्ञ अपने अनुभव साझा करेंगे।

ब्रह्मांड के अनसुलझे पहलुओं पर होगी बात

टेक्नेक्स की थीम 'वर्ल्ड ऑफ पिक्सल' रखी गई है। इसमें देश-दुनिया के विशेषज्ञ ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह से अंतरिक्ष विज्ञान के बारे में नई-नई जानकारी साझा करेंगे। ब्रह्मांड के अनसुलझे पहलुओं को भी सुलझाया जाएगा। इसकी वेबसाइट भी 10 जनवरी को ही लांच कर दी गई है। इसमें मॉडेक्स, मैट्रिक्समेनिया, रोबोनेक्स, सुपरनौवा, बाइट द बिट्स, एक्सट्रीम इंजीनियरिंग, रिवोजा और इनोरेक्व जैसे कई चैलेंज और टास्क होंगे।

टेक्नेक्स में होगी ड्रोन रेस प्रतिस्पर्धा

सामाजिक और औद्योगिक समस्याओं को सुलझाने के लिए नए आइडिया सुझाए जाएंगे। आपदा प्रबंधन, कृषि ऑटोमेशन और जल संरक्षण को प्रमोट किया जाएगा। ड्रोन रेसिंग की जाएगी। साथ ही हवाई जहाजों के नए डिजाइन पर खोज करने वाले छात्र या छात्राएं इसमें हिस्सा ले सकते हैं। वहीं, इंटरनेशनल कोडिंग मैराथन में एल्गोरिदम तैयार करने की गति और क्षमता को चेक किया जाएगा।

ही इवेंट की योजना तैयार करेंगे।

ये कैंपस एंबेसडर अपने-अपने कॉलेजों में टेक्नेक्स-25 का चेहरा बनकर बाकी छात्रों को लीडर बनने के लिए प्रेरित करेंगे। छात्र-छात्राओं

को इनोवेशन से जोड़ने का भी काम करेंगे। टेक्नेक्स की वेबसाइट पर जाकर कैंपस एंबेसडर बनने के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है।

सामूहिक दुष्कर्म मामले की अगली सुनवाई 17 को 5

संवाद सहयोगी, जागरण वाराणसी :
आइआइटी बीएचयू की छात्रा से
सामूहिक दुष्कर्म के मामले में
फास्ट ट्रैक कोर्ट (प्रथम) कुलदीप
सिंह ने अगली सुनवाई के लिए 17
जनवरी की तिथि तय की है।

अदालत ने इस मामले में
अभियोजन पक्ष के तीसरे गवाह
महिला चिकित्सक डा. अनामिका
सिंह को गवाही के लिए तलब
किया गया है। सोमवार को गवाही
देने के लिए आए छात्रा के दोस्त
बीएचयू आइआइटी के छात्र जीवी
रितेश अदालत में उपस्थित हुए थे।
बार एसोसिएशन के कार्य बहिष्कार
के निर्णय के चलते उनका बयान
दर्ज नहीं हो सका।

जीवी रितेश ने मौखिक रूप से
अदालत को बताया कि न्यायालय
में उपस्थित होने पर उसका क्लास
मिस हो जाती है। ऐसे में किसी
उचित समय पर उसका साक्ष्य
लिया जाए। इस दौरान आरोपित
कुणाल पांडेय की ओर से इस
आशय का प्रार्थना पत्र दिया गया कि
अभी पीड़िता का बयान और बचाव
पक्ष द्वारा उससे जिरह की कार्रवाई
जारी है। उससे जिरह कार्रवाई पूरी
हुए बिना दूसरे गवाह जीवी रितेश
को साक्ष्य के लिए तलब किया गया
है। जीवी रितेश द्वारा भी स्वयं ही

- महिला चिकित्सक डा. अनामिका
सिंह गवाही के लिए तलब
- सोमवार को छात्रा के दोस्त का
नहीं दर्ज हो सका बयान

साक्ष्य के लिए उचित समय की
मांग की जा रही है। आरोपित की
इस प्रार्थना पत्र पर एडीजीसी मनोज
कुमार गुप्ता ने आपत्ति जताई। बीते
दिनों सुनवाई के दौरान पीड़िता की
ओर से इस आशय का प्रार्थना पत्र
दिया गया कि इंटरनेशनल करने के
लिए वह 31 जनवरी तक दूसरे
शहर में है लिहाजा वह मुकदमे की
नियत तिथि पर उपस्थित नहीं हो
सकती है। वादिनि (पीड़िता) ने तब
तक के लिए सुनवाई स्थगित करने
की अदालत से अपील की। पीड़िता
से बचाव पक्ष द्वारा जिरह की
कार्रवाई की जा रही है। इस पर
अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी
कर रहे एडीजीसी मनोज कुमार
गुप्ता ने घटना के समय मौजूद रहे
पीड़िता के साथी जीवी रितेश को
तलब करने के लिए अदालत से
अपील की जिसे अदालत ने मंजूर
कर ली थी। बीएचयू परिसर में दो
नवंबर 2023 की रात में आइआइटी
की छात्रा के साथ तीन युवकों ने
सामूहिक दुष्कर्म किया था।

आईआईटी बीएचयू की छात्रा से दुष्कर्म मामले में डॉक्टर तलब ५१

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट (प्रथम) के न्यायाधीश कुलदीप सिंह ने अभियोजन पक्ष की तीसरी गवाह डॉ. अनामिका सिंह को गवाही के लिए तलब किया है। अब मामले की सुनवाई 17 जनवरी को होगी। अदालत में सोमवार को गवाही देने के लिए अभियोजन पक्ष का अहम गवाह छात्रा का दोस्त और आईआईटी बीएचयू का छात्र उपस्थित हुआ, लेकिन बार एसोसिएशन के कार्य बहिष्कार के चलते उसका बयान दर्ज नहीं किया जा सका। इस पर छात्रा के दोस्त ने मौखिक रूप से बताया कि कोर्ट में आने से उसकी क्लास छूट जाती है। ऐसे में किसी उचित समय पर उसका साक्ष्य लिया जाए। संवाद

छात्रा से गैंगरेप २ में सुनवाई 17 को

VARANASI (13 Jan): आईआईटी बीएचयू की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट (प्रथम) कुलदीप सिंह ने अगली सुनवाई के लिए 17 जनवरी की तिथि तय की है। अदालत ने इस मामले में अभियोजन पक्ष के तीसरे गवाह महिला चिकित्सक डा. अनामिका सिंह को गवाही के लिए तलब किया गया है। सोमवार को गवाही देने के लिए आए छात्रा के दोस्त बीएचयू आईआईटी के छात्र जीवी रितेश अदालत में उपस्थित हुए थे, बार एसोसिएशन के कार्य बहिष्कार के निर्णय के चलते उनका बयान दर्ज नहीं हो सका। जीवी रितेश ने बताया कि न्यायालय में उपस्थित होने पर क्लास मिस हो जाती है।

आईआईटी बीएचयू की छात्रा से दुष्कर्म के मामले में गवाही के लिए डॉक्टर तलब 3

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट (प्रथम) के न्यायाधीश कुलदीप सिंह ने अभियोजन पक्ष की तीसरी गवाह डॉ. अनामिका सिंह को गवाही के लिए तलब किया है। अब मामले की सुनवाई 17 जनवरी को होगी।

अदालत में सोमवार को गवाही देने के लिए अभियोजन पक्ष का अहम गवाह छात्रा का दोस्त और आईआईटी बीएचयू का छात्र उपस्थित हुआ, लेकिन बार एसोसिएशन के कार्य बहिष्कार के चलते उसका बयान दर्ज नहीं किया जा सका।

इस पर छात्रा के दोस्त ने मौखिक रूप से अदालत को बताया कि न्यायालय में उपस्थित होने पर उसकी क्लास छूट जाती है। ऐसे में किसी उचित समय पर उसका साक्ष्य लिया

एक आरोपी ने दूसरे गवाह को तलब किए जाने पर आपत्ति जताई

जाए। इसी बीच आरोपी कुणाल पांडेय की तरफ से प्रार्थना पत्र दिया गया। उसकी तरफ से कहा गया कि अभी पीड़िता का बयान दर्ज किया जाना है। बचाव पक्ष की तरफ से पीड़िता से जिरह की जा रही है।

इसके बावजूद दूसरे गवाह को साक्ष्य के लिए तलब किया गया। इससे मुकदमे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। दूसरे गवाह की तरफ से स्वयं ही साक्ष्य के लिए उचित समय की मांग की जा रही है। आरोपी के इस प्रार्थना पत्र पर एडीजीसी (फौजदारी) मनोज कुमार गुप्ता ने आपत्ति जताई है।

बीएचयू की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म का मामला, अगली सुनवाई 17 को 4

वाराणसी। बीएचयू में आईआईटी की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में द्रुतगामी न्यायालय (प्रथम) कुलदीप सिंह ने अगली सुनवाई के लिए 17 जनवरी की तिथि मुकर्रर की है। अदालत ने इस मामले में अभियोजन पक्ष के तीसरे गवाह महिला चिकित्सक डा. अनामिका सिंह को गवाही के लिए तलब किया गया है।

सोमवार को गवाही देने के लिए अभियोजन पक्ष का दूसरा अहम गवाह बीएचयू आईआईटी का छात्र जीवी रितेश अदालत में उपस्थित हुआ था, लेकिन बार एसोसिएशन द्वारा कार्य बहिष्कार के निर्णय के चलते उसका बयान दर्ज नहीं किया जा सका। इस दौरान जीवी रितेश ने मौखिक रूप से अदालत को बताया कि न्यायालय में उपस्थित होने पर उसका क्लेस मिस हो जाती है। ऐसे में किसी उचित समय पर उसका साक्ष्य लिया जाए। इस दौरान आरोपित कुणाल पांडेय की ओर से इस आशय का प्रार्थना पत्र दिया गया कि अभी पीड़िता का बयान और बचाव पक्ष द्वारा उससे जिरह की कार्रवाई जारी है। उससे जिरह कार्रवाई पूरी हुए बिना दूसरे गवाह जीवी रितेश को साक्ष्य के लिए तलब किया गया है। पीड़िता से जिरह की कार्रवाई पूरी हुए बिना दूसरे गवाह का साक्ष्य कराया जाता है तो इससे मुकदमे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। जीवी रितेश द्वारा भी स्वयं ही साक्ष्य के लिए उचित समय की मांग की जा रही है। आरोपित की इस प्रार्थना पत्र पर एडीजीसी मनोज कुमार गुप्ता ने आपत्ति जताई। बता दें कि बीते दिनों सुनवाई के दौरान पीड़िता की ओर से इस आशय का प्रार्थना पत्र दिया गया कि इंटरनिशप करने के लिए वह 31 जनवरी तक दूसरे शहर में है लिहाजा वह मुकदमे की नियत तिथि पर उपस्थित नहीं हो सकती है। वादिनी (पीड़िता) ने तब तक के लिए सुनवाई स्थगित करने की अदालत से अपील की। पीड़िता से बचाव पक्ष द्वारा जिरह की कार्रवाई की जा रही है। इस पर अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी कर रहे एडीजीसी मनोज कुमार गुप्ता ने घटना के समय मौजूद रहे पीड़िता के साथी जीवी रितेश को तलब करने के लिए अदालत से अपील की। जिसे अदालत ने मंजूर कर ली थी।